Department of History

इतिहास विभाग

HEARTY WELCOME TO NAAC PEER TEAM

नैक पीर टीम का हार्दिक स्वागत

Year of Establishment

स्थापना

हिन्दी महाविद्यालय स्थापना	वर्ष १९६१
इतिहास विभाग	१९६१

इतिहास विभाग का संक्षिप्त परिचय

- हिन्दी महाविद्यालय की स्थापना के साथ ही वर्ष १९६१ में इतिहास विभागकी स्थापना हुई तथा स्नातक स्तर पर इसे कला संकाय के साथ संयोजित किया गया।
- उद्देश्य :
- १. उन्नत ज्ञान के प्रसार के लिए उचित निर्देशन, शोध तथा विस्तार की सुविधाओं द्वारा इतिहास विषय के संवर्धन में योगदान देना।
- २. शैक्षिक कार्यक्रमों मे राष्ट्रीय एकीकरण पाठ्यक्रम, मानविकी सामाजिक विज्ञान तथा विज्ञान संबंधी ज्ञान को शामिल करना।
- ३. नवाचार शिक्षण अधिगम को बढ़ावा देना अंतर अनुशासनात्मक अध्ययन और अनुसंधा प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए उचित उपाय करना।
- ४. समग्र विकास एवं संवर्धन के लिए जन समूह को शिक्षित और प्रशिक्षित करना तथा इतिहास के विविध क्षेत्रों से संबंधित ज्ञान का संरक्षण और अनुसंधान करना।
- ५. छात्रों में स्वतंत्र चिंतन, समस्या, समाधान की आदत विकसित करना।
- ६. इतिहास संबंधी वर्तमान समस्याओं, मुद्दों एवं चतुनौतियों की पहचान कर छात्रों का ध्यान उस पर केंद्रित करना।

परिणाम (आउटकम) :

- कार्यक्रम का परिणाम (प्रोग्राम आउट कम)
- प्राचीन भारतीय इतिहास, दर्शन, राजनीति और साहित्य की मजबूत अवधारणा विकसित करना।
- छात्र स्नातक के बी.एड का प्रशिक्षण प्राप्त करके शिक्षण कार्य का चुनाव कर सकते हैं।
- स्नातक अपने आजिविका के विकल्प के रूप में संग्रहालय निरीक्षक, इतिहासकार, पर्यटन तथा इतिहास विशेषज्ञ आदि का चयन कर सकते हैं।
- स्नातक छात्र सरकारी सेवाओं जैसे संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी),टीएसपीएससी, भारतीय रेलवे बोर्ड आदि द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने के योग हो जाएँगे।
- छात्र अतीत के तथ्यों घटनाओं और आँकडों के आधार पर ज्ञान प्राप्त करके बहुविषयक दृष्टिकोण विकसित कर सकते हैं।
- इतिहास अध्ययन के माध्यम से विद्यार्थियों को बौद्धिक मंच में शामिल करना।
- छात्र राष्ट्रीय एकता के भावना का विकास कर, समुदाय की सम्प्रदायिकता और जातिवाद की समस्या का समाधान कर सकेंगे

पाठ्यक्रम का परिणाम :

- १. भारतीय इतिहास के अध्ययन से देश के बारे में संपूर्ण ज्ञान मिल जाता है।
- २. साम्राज्यवादी इतिहास के अध्ययन द्वारा भारत की सभ्यता और संस्कृति के उदय, विकास और प्रसार के पीछे कारकों एवं शक्तियों की समझ विकसित होती है।
- ३. इतिहास का अध्ययन राजनीति, दर्शन, साहित्य, कला, धर्म, विज्ञान और प्रोद्योगिकी के क्षेत्र में भारतीय के योगदान को समझने में मदद करता हैं।
- ४. भारत के इतिहास उसके क्षेत्र एवं अन्य विषयों से संबंध का अध्ययन कर इतिहास के महत्व एवं विस्तार का ज्ञान प्राप्त होगा।
- ५. मुगलकालीन इतिहास विकास स्थापत्य कला, प्रशासन आदि की जानकारी प्राप्त करके उसका प्रयोग वर्तमान परिस्थितियों में कर सकेंगे।
- ६. विश्व इतिहास के अध्ययन के द्वारा छात्र वैश्विक संदर्भ में शासन धर्म, प्रमुख घटनाओं, विश्व युद्धों के कार्य कारण एवं परिणाम को जान सकेंगे।
- ७. तेलंगाना इतिहास के अध्ययन द्वारा दक्षिण के प्रमुख राज्यों उसके शासक एवं शासना पद्धति की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- ८. तेलंगाना की संस्कृति तेलंगाना के गठन संस्कृति एवं आसफजाही शासन के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- ९. छात्र विश्व, भारत, तेलंगाना, तथा प्राचीन इतिहास एवं उससे संबंधित विशेषताओं आदि का ज्ञान प्राप्त कर जीवन में उसका प्रयोग करेंगे।
- १०. रानी की उद्घोषणा रिपन और लिटन की नीतियों, अंग्रेजों के प्रशासन, भारत स्वंतंत्रता आंदोलन इत्यादि की जानकारी प्राप्त करके वर्तमान संदर्भ में उनका प्रयोग करें।

पाठ्यक्रम का प्रस्ताव (कोर्सेस ऑफर्ड)

बी.ए.,एम.ए. एम.फिल, पी.एच डी. आदि।

वर्तमान संकाय सदस्य

नाम	योग्यता	पद	विशेषज्ञता	अनुभव
डॉ. शैलबाला	एम.ए.पी.एचडी	प्राचार्य एवं विभागध्यक्ष हिन्दी महाविद्यालय	इतिहास	
श्रीमती यात्री बुच	एम.ए.	असिस्टेंट प्रोफेसर	इतिहास	
श्रीमती प्रियंका शर्मा	एम.ए. एमफिल	असिस्टेंट प्रोफेसर	इतिहास	
श्रीमती अर्चना सिंह	एम.ए., बी.एड.	असिस्टेट प्रोफेसर	इतिहास	

पाठ्यचर्या के पहलू

- १. इतिहास के अध्ययन द्वारा शासन प्रशासन समाज अर्थव्यवस्था आदि की जानकारी प्राप्त करके राष्ट्रीय चेतना और एकीकरण में सहयोग देगा, नैतिक गुणों के विकास से योग्य नागरिक बनाना।
- २. इतिहास के अध्ययन द्वारा इतिहास संबंधी प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तर परीक्षाओं के योग्य बनाना।

पाठचर्या का समृद्धिकरण कार्यक्रम

- पाठ्यचर्या को समृद्ध बनाने के लिए विभाग ने निम्नलिखित पहल की है।
- विभाग में विभिन्न कॉलेजों के विशेषज्ञों द्वारा अतिथि। विस्तार व्याख्यान की व्यवस्था की जाती है, ताकि छात्र संबंधित विषय में अपने ज्ञान को समृद्ध कर सकें।
- पाठ्यक्रम में दिए गए विभिन्न विषयों पर छात्रों का ध्यान केंद्रित करना।

विभागीय गतिविधियाँ

विभागीय परीक्षा परिणम का विश्लेषण

सत्र वर्ष	कक्षा/कोर्स	वर्ष	परीक्षा में उपस्थित छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	प ंतिशत
२०१७-१८	बी.ए.	तृतीय	१३	१२	९२ प ंतिशत
२०१८-१९	बी.ए.	तृतीय	९	८	८९ प ंतिशत
२०१९-२०	बी.ए.	तृतीय	१४	१३	९३ प ंशित
२०२०-२१	बी.ए.	तृतीय	छात्र नहीं		
२०२१	बी.ए.	तृतीय	१२	११	९२ प ंतिशत

कक्षा संगोष्ठी (क्लास रूम सेमिनार)

- १. इतिहास विभाग, एच.एम.वी. छात्रों के लिए कक्षा संगोष्ठी भी आयोजित करता है। इसमें ज्ञान के विकास, संप्रेषण कौशल में सुधार, नैतिक विकास तथा राष्ट्रीय एकीकरण के लिए प्राचीन इतिहास, मध्यकालीन इतिहास, विश्व इतिहास, भारतीय इतिहास तेलंगाना के इतिहास आदि को शामिल किया जाता है।

शिक्षण सीखने की प्रक्रिया (टीचिंग लर्निंग प्रॉसेस)

- शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में इतिहास विभाग शैक्षणिक सत्र के शिक्षण अधिगम और मूल्यांकन के लिए योजना बनाता है।
- शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के एक भाग के रूप में विभाग ने छात्रों के सीखने में सुधार के लिए व्याख्यान पद्धति के अलावा निम्न लिखत छात्र केंद्रित गतिविधियों का प्रयोग करता है।

छात्र केंद्रित गतिविधियाँ

- छात्र सेमिनार और असाइनमेंट
- छात्र परियोजनाएँ
- अध्ययन भ्रमण (शैक्षणिक भ्रमण)
- समूह चर्चा

मूल्यांकन की प्रकिया

- छात्रो का सतत मूल्यांकन निम्न विधियों द्वारा किया जाता है।
- असाइनमेंट
- आंतरिक आकलन (मूल्यांकन)
- शत्र संगोष्ठी का आयोजन
- सेमेस्टर परीक्षाएँ
- शैक्षिक निरीक्षण

छात्र-सहायता और प्रगति

- १. छात्रों की पिछले वर्ष के प्रश्नपत्रों के सेट प्रदान किए जाते है।
- २. हमारे पूर्व छात्र सदस्य विभिन्न संगठनों में विभिन्न पदों पर कार्य कर रहे हैं और कुछ सवरोजगार में लगे हुए हैं।
- ३. छात्रों को सभी विषयों से संबंधित पुस्तकालय की किताबें दी जाती हैं, जो उनके सीखने की प्रक्रिया में सहायक होती हैं।
- ४. छात्रों को विद्वत सामग्री के लिए राष्ट्रीय पुस्तकालय और सूचना सेवा अवसंरचना (एन.सूची) तक पहुँचने की सुविधा प्रदान की जाती है।
- ५. छात्रों को अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाती है।
- ६. छात्रों में व्यवहारिक कुशलता, सप्रेषणात्मक कौशल संघ विश्लेषण की क्षमता विकसित की जाती है।
- ७. छात्रों को रियायती बस पास और ट्रेन पास की सुविधा प्रदान की जाती है।

विभाग की भावी योजनाएँ

- स्नातकोत्तर स्तर पर कक्षाएँ चलाना।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन करना
- अतिथि व्याख्यान के लिए प्रतिष्ठित विद्वानों को आमंत्रित करना।
- अधिक संख्या में अतिथि व्याख्यान का आयोजन करना।
- अध्ययन यात्रा

धन्यवाद

Thank You